प्रेस विज्ञप्ति

26 मई, 2015

दिसंबर 84 के यूनियन कार्बाइड गैस काण्ड के पीड़ितों ने आज एक पत्रकार वार्ता में पीड़ितों को इन्साफ और पुनर्वास दिलाने में एन.डी.ए. सरकार की भर्त्सना की। यह पत्रकार वार्ता मोदी सरकार के1 साल पूरे होने के अवसर पर पीड़ितों के हकों के लिए लड़ने वाले पाँच संगठनों द्वारा संयुक्त रूप से बुलाई गई थी।

भोपाल गैस पीड़ित महिला स्टेशनरी कर्मचारी संघ की अध्यक्ष रशीदा बी के अनुसार मोदी सरकार का1 साल अपराधी अमरीकी कंपनियों को जानबूझकर ढील देने और पीड़ितों के इलाज और पुनर्वास की तरफ लापरवाही का साल रहा है।

पिछले 1 साल में मोदी सरकार द्वारा यूनियन कार्बाइड के मालिक डाव केमिकल को पहुँचाए गए फायदे को लेकर गैस पीड़ित संगठनों में खासा गुस्सा है। भोपाल गैस पीड़ित निराश्रित पेंशन भोगी संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष बालकृष्ण नामदेव ने कहा, "डाव केमिकल की भारतीय शाखा डाव एग्रो साइंस के खिलाफ मौजूद सबूत को सी.बी.आई ने जानबूझकर दबा दिया जिससे कंपनी के खिलाफ रिश्वत देने का आपराधिक मामला सी.बी.आई. की विशेष अदालत द्वारा खारिज कर दिया गया।"

"गैस काण्ड पर भोपाल जिला अदालत में जारी आपराधिक प्रकरण में डाव केमिकल को हाज़िर कराने में पिछले 1 साल में केंद्र सरकार 2 बार विफल रही है। ऐसा लगता है कि प्रधानमंत्री मोदी अमरीकी कंपनियों को यह खतरनाक सन्देश भेज रहे हैं कि वह भारत के कानूनों की अवहेलना करते हुए भारत में व्यापार कर सकते हैं," कहते है भोपाल गैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा के नवाब खां।

भोपाल ग्रुप फॉर इनफॉर्मेशन एंड एक्शन की रचना ढींगरा के अनुसार डाव केमिकल को एन.डी.ए. सरकार द्वारा दिए जा रहे गुपचुप समर्थन की वजह से ही सरकार ने संयुक्त राष्ट्र संघ के पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा भोपाल कारखाने के अंदर और आस-पास के प्रदूषण की वैज्ञानिक जाँच को करने से मना कर दिया।"संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा जाँच होने पर यह पता चलता कि डाव कंपनी को कितना हर्ज़ाना देना है और भोपाल में ज़हर सफाई का काम शुरू हो सकता था परन्तु पर्यावरण मंत्री ने इस संभावना को ही ख़त्म कर दिया", उन्होंने कहा।

भोपाल गैस पीड़ितों के संगठनों ने कहा की एक तरफ एन.डी.ए. सरकार अमरीकी कंपनियों को समर्थन दे रही है और दूसरी तरफ पीड़ितों के इलाज और पुनर्वास में लापरवाही बरत रही है।"सुप्रीम कोर्ट की निगरानी समिति ने गैस पीड़ितों के अस्पतालों में डाक्टरों, अच्छी दवाएँ, सही इलाज विधियों के बारे में बार-बार कहा

है परन्तु पिछले 1 साल में इसमें कोई बेहतरी नहीं हुई है, कहती है डाव कार्बाइड के खिलाफ बच्चे की संस्थापिका साफरीन ख़ान। उन्होंने कहा कि पीड़ितों को रोज़गार देने के काम में करोड़ों के घोटाले की बात पर केंद्र सरकार जानबूझकर चुप्पी साधे हुए है।

रशीदा बी भोपाल गैस पीड़ित स्टेशनरी कर्मचारी संध 9425688215	बालकृष्ण नामदेव भोपाल गैस पीड़ित निराश्रित पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा 9826345423	नवाब खां भोपाल गैस पीड़ित महिला पुरुष संघर्ष मोर्चा 8718035409	रचना ढींगरा, सतीनाथ षडंगी भोपाल ग्रुप फॉर इन्फार्मेशन एंड एक्शन 9826167369	साफरीन खां डाव-कार्बाइड के खिलाफ बच्चे

अधिक जानकारी के लिए www.bhopal.net पर जाए